SWETA H. RANPURA

LECTURER

IN

SHREE H. N. SHUKLA GROUP OF COLLEGES, RAJKOT

B. A. DEPARTMENT

HINDI SUBJECT

F. Y. B. A. SEM - 1

ELECTIVE HINDI

PAPER - 1

“आधुनिक हिंदी काव्य”

आधुनिक हिंदी काव्य

UNIT - 3

“मुरझाया फूल” कविता

सुभद्राकुमारी चौहान

सुभद्राकुमारी चौहान

भारत INDIA
25
1976
सुभद्रा कुमारी चौहान 1904-1948
SUBHADRA KUMARI CHAUHAN

सुभद्राकुमारी चौहान: जीवन परिचय

- **जन्म:-** 16 अगस्त 1904
- **जन्मस्थान:-** इलाहाबाद के निकट निहालपुर नामक गांव में
- **पिता:-** ठाकुर रामनाथ सिंह
- **विवाह:-** १९१९ में ठाकुर लक्ष्मण सिंह के साथ (जबलपुर)
- **सन्तान:-** 5
- **निधन:-** 15 फ़रवरी 1948 (उम्र 43)
- **सम्मान:-** भारतीय तटरक्षक सेना ने एक तटरक्षक जहाज़ को "सुभद्राकुमारी चौहान" का नाम दिया है।

  भारतीय डाक-तार विभाग ने सुभद्राकुमारी चौहान के सम्मान में २५ पैसे का एक डाक-टिकट जारी किया है।

- गांधीजी के असहयोग आंदोलन में भाग लेने वाली प्रथम महिला थीं।
- आंदोलन में भाग लेने के कारण दो बार जेल भी गई थीं।

सुभद्राकुमारी चौहान: कृति परिचय

§ कहानी संग्रह:-

- बिखरे मोती (१९३२)
- उन्मादिनी (१९३४)
- सीधे साधे चित्र (१९४७)

- इन तीन कहानी संग्रह में कुल ४६ कहानियां हैं।

§ कविता संग्रह:-

- मुकुल
- त्रिधारा

§ जीवनी:-

- 'मिला तेज से तेज'

“मुरझाया फूल” कविता

– यह मुरझाया हुआ फूल है,
इसका हृदय दुखाना मत।
स्वयं बिखरनेवाली इसकी
पंखड़ियाँ बिखराना मत।

– गुजरो अगर पास से इसके
इसे चोट पहुँचाना मत।
जीवन की अंतिम घड़ियों में
देखो, इसे रुलाना मत।।

– अगर हो सके तो ठंडी
बूँदें टपका देना प्यारे!
जल न जाए संतप्त-हृदय
शीतलता ला देना प्यारे!!

“मुरझाया फूल” कविता भावार्थ

भावार्थ

– यह मुरझाया हुआ फूल है,
इसका हृदय दुखाना मत।
स्वयं बिखरनेवाली इसकी
पंखड़ियाँ बिखराना मत।

- कवयित्री इस कविता में मुरझाए हुए फूलों की तुलना वृद्धावस्था में पहुंचे बुजुर्गों से कराती है।
- वे कहती है कि, इन मुरझाए हुए फूल के समान बुज़ुर्गों का हृदय दुःखाना नहीं चाहिए।
- मुरझाए हुए फूलों की पंखुड़ियां अपने आप ही बिखरने लगती है इस प्रकार इनका जीवन भी वैसे ही समाप्त होने वाला है, ऐसे में उन्हें और तकलीफ, दुःख या दर्द नहीं पहुँचाना चाहिए।

भावार्थ

– गुजरो अगर पास से इसके
इसे चोट पहुँचाना मत।
जीवन की अंतिम घड़ियों में
देखो, इसे रुलाना मत।।

- वृद्धावस्था में पहुंचने के बाद कहते है कि बचपन वापस आ जाता है।
- ऐसे में इन पंक्तियों में कवियित्री कहना चाहती है की, अगर कभी उनसे कोई गलती हो जाती है; तो उन्हें डांटकर उनके मन को चोट नहीं पहुंचनी चाहिए।
- जिस प्रकार बच्चों को डांटने पर वे रुठ जाते है और रोने लगते है, बिलकुल उसी प्रकार वृद्ध लोग भी अपना अकेलापन दूर करने के लिए कोई कार्य करें और उस समय उनसे गलती हो जाये, तो उन्हें डांटकर रुलाना अर्थात उनके मन को दुखाना नहीं चाहिए।

भावार्थ

– अगर हो सके तो ठंडी बूँदें टपका देना प्यारे!
जल न जाए संतप्त-हृदय शीतलता ला देना प्यारे!!

- इन पंक्तियों में कवियित्री कहना चाहती है की, उन वृद्धावस्था में पहुंचे लोगो के साथ अच्छा वक्त बिताकर, उनसे बात-चित करके और उनका हाल-चाल पूछकर उनके अकेलेपन को दूर करना चाहिए।
- ऐसा करके ही हम उनके संतप्त हृदय पर स्नेह रुपी ठंडी बूंदों की शीतलता फैलानी चाहिए और उन्हें खुश रखना चाहिए।

“मुरझाया फूल”

कविता सारांश

सारांश

- किसी भी कवि के भाव क्या है और किस भाव से प्रेरित होकर कवि कविता की रचना करता है, यह बात सिर्फ कवि ही जान सकता है; लेकिन जिस बात को कवियित्री मुरझाए फूलों के माध्यम से व्यक्त करना चाहती, उस बात को हम वृद्धावस्था से जोड़ सकते है। जीवन में एक ऐसा क्षण आता है कि यौवन की ऊर्जा ख म हो जाती है और इंसान मुरझाए फूल के समान उम्र दराज यानि वृद्ध हो जाता है।
- कहते है कि वृद्धावस्था में बचपन वापस आ जाता है ऐसी अवस्था में कभी कभी वे अकेलापन महसूस करते है इन्हे ऐसा लगता है कि, उनके वजूद को और उनकी ज रतों को अनदेखा किया जा रहा है या उनकी उपेक्षा की जा रही है कभी कभी कटु वचन सुनाने के बाद उन्हें लगता है कि उनके साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है इस स्थिति के गाम्भीर्य को समझाते हुए कवियित्री ने इस कविता की रचना की है।

v ीमती सुभद्राकुमारी चौहान इस कविता के माध्यम से कहना चाहती है कि, वृद्धावस्था में पहुंचे किसी भी व्यक्ति का दिल कभी नहीं दुखाना चाहिए। उनका जीवन वैसे ही समाप्त होने वाला है। उनके जीवन का अब जितना भी समय बचा है उस समय में हमें उनके साथ दुर्व्यवहार करके उनके हृदय को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए। जीवन की अन्तिम घड़ियों में यानि उनके जीवन का जो थोड़ा समय बचा है उस समय में उन्हे रुलाना, परेशान करना या उनके साथ कठोर व्यवहार नहीं करना चाहिए; बि कि उनके साथ अच्छे और सुकोमल व्यव्हार के ारा उनके संतप्त दय पर ठंडी बूंदों जैसी शीतलता फैलाकर उन्हें खुश रखना चाहिए।

धन्यवाद